अनुक्रमणिका

प्राक्कथन *v*

आभार *vii*

तालिका-सूची *xiii*

आरेख-सूची *xvii*

अध्याय - प्रथम : - विषय प्रवेश **1**

- अध्ययन क्षेत्र का परिचय
- जनजाति परिचय
- गोंड़ जनजाति परिचय
- अध्ययन का समाजशास्त्रीय महत्व शोध साहित्य का पुनरावलोकन
- अध्ययन का उद्देश्य
- शोध प्राकल्पना
- अध्ययन पद्धति

(1) अध्ययन क्षेत्र

(2) उत्तरदाताओं का चयन

(3) तथ्यों का संकलन

(4) तथ्य प्रस्तुतीकरण

अध्याय - द्वितीय : - गोंड़ जनजाति का सामाजिक संरचना व्यक्तिगत विवरण **36**

- लिंग, आयु, गोत्र, शिक्षा, वैवाहिक स्थिति, व्यवसाय, मासिक आय
- पारिवारिक विवरण : -

पारिवारिक सदस्यों की आयु, लिंग, शिक्षा,
वैवाहिक स्थिति शिक्षा और महिलाओं की शिक्षा

SAMPLE

अध्याय - तृतीय : - गोंड़ जनजातियों की आर्थिक संरचना **57**

- आखेट- उद्देश्य, धार्मिक क्रिया- कलाप एवं आखेट की देवी- देवता
- पशु पालन, कृषि एवं वनोपज और उनके देवी- देवता

अध्याय - चतुर्थ : - जनजाति संस्कृति एवं कला **74**

- संस्कृति की अवधारणा, जनजाति संस्कृति
- संस्कार, जन्म संस्कार, विवाह संस्कार, विवाह का स्वरूप जीवन साथी का चयन, विधवा विवाह, दहेज प्रथा
- मृत्यु संस्कार - मृतक स्मारक,
- जनजातीय कला - प्रस्तर कला, काष्ठ कला, चित्रकला, मूर्ति कला, मृतिक कला धातुशिल्प, लौह शिल्प
- नृत्य, संगीत एवं वाद्य

अध्याय - पंचम : - गोंड़ जनजाति के धार्मिक संरचना **111**

- धर्म की अवधारणा एवं सिद्धांत
- जनजाति धर्म एवं उनके प्रमुख देवी-देवता सिरहा, गायता व पुजारी एवं सिरहा की समाधि
- उपासना पद्धति
- अभिचारिक क्रियाएं
- जनजाति पर्व उत्सव मड़ाई जात्रा
- गोंड़ जनजाति के धार्मिक संरचना का अध्ययन
- जनजाति धर्म का मूल आधार, उत्पत्ति के स्रोत
- नैतिक नियमों की मान्यता
- गोत्र व वंश देवी-देवता
- गोत्र का प्रतीक ही अलौकिक शक्ति
- गोत्र भूम या परगना देवी-देवता
- ग्राम देवी-देवता
- पारिवारिक देवी-देवता
- उपासना पद्धति
- धार्मिक निषेध
- देव उत्सव मड़ाई, जात्रा

नमूना SAMPLE

- लिंगों देव की धार्मिक शिक्षा, नृत्य, संगीत एवं वाद्य

अध्याय - षष्टम : - गोंड़ जनजाति का धर्म और उनके बदलते प्रतिमान **251**

- बस्तर के गोंड़ जनजाति की धार्मिक मान्यताओं की बदलता स्वरूप
- धार्मिक मान्यताओं में बदलाव
- गोत्र व वंश देवी-देवताओं के मान्यता में बदलाव
- ग्राम्य व पारिवारिक देवी-देवताओं का बदलता स्वरूप
- पूजा पद्धति में बदलाव
- धार्मिक निषेधों पर परिवर्तन
- अपवित्र शक्तियों के शुद्धिकरण संबंधी बदलाव
- धर्म के मार्गदर्शकों में परिवर्तन
- देवी-देवताओं के पूजा के अवसर पर संगीत, वाद्य एवं नृत्य में परिवर्तन

अध्याय - सप्तम : - निष्कर्ष **300**

- गोंड़ जनजाति के धार्मिक आदर्श
- जनजाति धर्म के संरक्षण एवं सुझाव

संदर्भ-ग्रंथ सूची ***332***

साक्षात्कार - अनुसूची ***339***

नमूना • SAMPLE

तालिका- सूची

तालिका क्र.	विवरण
2.1	उत्तरदाताओं का लिंग
2.2	आयु के आधार पर उत्तरदाताओं का वर्गीकरण
2.3	गोंड़ जनजाति के गोत्र का वर्गीकरण
2.4	उत्तरदाताओं का शैक्षणिक स्तर
2.5	उत्तरदाताओं का वैवाहिक स्थिति
2.6	उत्तरदाताओं का व्यवसाय
2.7	उत्तरदाताओं का मासिक आय
2.8	पारिवारिक सदस्यों की लिंग संरचना
2.9	पारिवारिक सदस्यों की आयु संरचना
2.10	पारिवारिक सदस्यों की शिक्षा का स्तर
2.11	पारिवारिक सदस्यों की वैवाहिक स्थिति
2.12	पारिवारिक सदस्यों की नातीदारी व्यवस्था
2.13	उत्तरदाताओं के परिवार में दहेज प्रथा
2.14	परिवार में वधू मूल्य प्रथा
2.15	परिवार में लड़कियों की शिक्षा
2.16	बच्चों को शिक्षा दिलाने में आर्थिक स्वरूप
2.17	परिवार में पारिवारिक सदस्यों के बीच संबंध
2.18	पारिवारिक सदस्यों के बीच संबंध
3.1	आखेट या शिकार करने वाले उत्तरदाता
3.2	आखेट का उद्देश्य
3.3	आखेट के पूर्व देवी-देवताओं का स्मरण
3.4	पशु पालन करने वाले उत्तरदाता
3.5	यदि तो कौन-कौन से पशुओं को पालते हैं
3.5	दुधारी पशु पालन करने वाले उत्तरदाता

SAMPLE

3.7 उत्तरदाताओं का परम्परागत व्यवसाय
3.8 परम्परागत व्यवसाय बदलने वाले उत्तरदाता
3.9 कृषि के अतिरिक्त वनोपज संग्रहण
3.10 विभिन्न वनोपज संग्रहण
3.11 वनोपज संग्रहण का उपयोग
3.12 वनोपज संग्रहण में देवी-देवताओं का स्मरण
3.13 विभिन्न देवी-देवताओं का स्मरण
4.1 गोंड़ जनजाति के विभिन्न संस्कार
4.2 बाल संस्कार में उत्तरदाताओं का मत
4.3 परिवार में विवाह का स्वरूप
4.4 बहु विवाह प्रथा
4.5 जीवन-साथी का चयन
4.6 जनजाति समाज में विधवा विवाह
5.1 अध्ययनगत उत्तरदाताओं का धर्म
5.2 जनजातीय धर्म का मूल आधार
5.3 गोंड़ जनजाति के उत्पत्ति का स्रोत
5.4 गोंड़ जनजाति के आदि देव की मान्यता
5.5 जनजाति धर्म में नैतिक नियम या आचरण
5.6 नैतिक नियम क्या है
5.7 नैतिक नियम या आचरण का आधार देवी शक्ति
5.8 नैतिक नियम के देवी-देवता
5.9 देवी-देवताओं के अनुष्ठान का माध्यम
5.10 चौरासी पाठ-पीढ़ा की मान्यता
5.11 लिंगों मुदिया एक पाठ-पीढ़ा
5.12 पारी कुपार लिंगों द्वारा गोत्र विभाजन
5.13 विभिन्न गोत्रों का विभाजन
5.14 गोत्र विभाजन सगादेव के आधार पर
5.15 यदि हाँ तो गोत्र का विभाजन
5.16 गोत्र सगादेव समूह या पेनकड़ा
5.17 गोत्र के प्रतीक एक अलौकिक शक्ति
5.18 गोत्र का प्रतीक की पवित्रता
5.19 जनजाति धर्म में गोत्र का महत्व
5.20 गोत्र के उपगोत्र

SAMPLE